बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग-1—कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

बृहस्पतिवार, तिथि 30 जून, 1983

विषय-सूची

	पृष्ठ
प्रश्नों के मौखिक उत्तर :—	
अल्पसूचित प्रश्नोत्तर संख्या 11	1—7
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या 361, 366, 1004, 1005, 1007, 1008, 1009।	8—22
परिशिष्ट (प्रश्नों के लिखित उत्तर)	23—53
दैनिक निबंध	54

टिप्पणी :—किन्हीं मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है।

(2) क्या यह बात सही है कि कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई विभाग, लघु सिंचाई प्रमंडल, समस्तीपुर ने 1981 ई० में ही इन तीनों स्थानों पर स्लूइस गेट का निर्माण करने की आवश्यकता और उपयोगिता जाहिर करते हुए सर्वेक्षण रिपोर्ट सरकार को भेज दिया था;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार इन तीनों स्थनों पर स्लूइस गेट का निर्माण कबतक कराने का विचार रखती है; यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रमेश झा—अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न सिंचाई विभाग को स्थानान्तरित कर दिया गया है।

अध्यक्ष—यह प्रश्न सिंचाई विभाग को स्थानान्तरित कर दिया गया है।

श्री राजकुमार पूर्वे—अध्यक्ष महोदय, स्लूइस गेट निर्माण का कार्य लघु सिंचाई विभाग से होता रहा है, तो फिर अब सिंचाई विभाग को कैसे चला गया ?

श्री रमेश झा—अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न उठाया है वह ठीक ही है। लेकिन यह प्रश्न सिंचाई विभाग में क्यों गया इसका कारण यह है कि इसमें 50 हजार रुपया से अधिक खर्च होगा और दूसरी बात यह है कि इसमें जल निस्सरण का काम होगा, पटवन का काम नहीं होगा। जल निस्सरण का काम सिंचाई विभाग द्वारा ही किया जाता है। इसलिये इस प्रश्न के उत्तर के लिए सिंचाई विभाग में भेजा गया है।

श्री रामदेव वर्मा—अध्यक्ष महोदय, 1981 में इसी स्लूइस गेट के सम्बन्ध में सवाल का जवाब लघु सिंचाई विभाग से दिया गया था। यही तीनों स्लूइस गेट हैं जिसमें सरकार की ओर से कहा गया था कि इसका निरीक्षण कराया जायगा। आज कहते हैं कि सिंचाई विभाग में यह कैसे।

चापाकलों की मरम्मत।

*1009. श्री ब्रज किशोर सिंह—क्या मन्त्री, लोक स्वास्थ्य अभियन्त्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्व चम्पारण जिला के पकड़ी-दयाल एवं मधुबन प्रखंड में राज्य सरकार द्वारा एक हजार चापाकल गाड़ा गया है और

उसमें 500 खराब है, यदि हां, तो क्या सरकार इन खराब चापाकलों की मरम्मती कराने का विचार रखती है, नहीं तो क्यों ?

श्रीमती उमा पाण्डेय—पूर्वी चम्पारण जिले के पकड़ीदयाल प्रखण्ड एवं मधुबन प्रखण्ड में क्रमशः 572 एवं 591 चापाकल गाड़े गये हैं। इस तरह कुल चापाकलों की संख्या 1103 है। उक्त चापाकलों में पकड़ीदयाल प्रखण्ड में 60 अदद तथा मधुबन प्रखण्ड में 44 अदद चापाकल अर्थात् कुल 104 चापाकल खराब हैं। इन खराब चापाकलों की मरम्मती की जा रही है।

श्री ब्रज किशोर सिंह—अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह जानना चाहता हूं कि क्या स्थानीय पदाधिकारी यह कहते हैं कि विभाग द्वारा सामानों की आपूर्ति नहीं की जा रही है जिससे 25 प्रतिशत चापाकल की मरम्मती नहीं हो रही है ?

श्रीमती उमा पाण्डेय—अध्यक्ष महोदय, जो चापाकल खराब थे उनकी संख्या भी बता दी और यह भी कह दिया कि जो खराब चापाकल हैं उनकी मरम्मती की जा रही है। अब क्या करें ?

श्री ब्रज किशोर सिंह—अध्यक्ष महोदय, 20 सूत्री की मीटिंग में स्थानीय पदाधिकारियों का बयान है कि विभाग से सामानों की आपूर्ति नहीं होने के कारण 25 प्रतिशत चापाकल की मरम्मती नहीं हो रही है ?

श्रीमती उमा पाण्डेय—अध्यक्ष महोदय, 20 सूत्री की मिटिंग में स्थानीय पदाधिकारियों का बयान है लेकिन इसकी जानकारी सरकार को नहीं है। इनके क्षेत्र में खराब चापाकलों की मरम्मती कराई जा रही है।

श्री ब्रज किशोर सिंह—पेयजल का संकट है इसलिये दो महीने में मरम्मती करा रहे हैं या नहीं ?

श्रीमती उमा पाण्डेय—अभी वर्षा शुरू हो गयी है इसलिये पेयजल का संकट नहीं होना चाहिये। फिर भी चापाकलों की मरम्मती जल्द करवा दी जायेगी।

श्री ब्रज किशोर सिंह—अध्यक्ष महोदय, पेयजल का संकट है और वे कहती हैं कि जल्द-से-जल्द तो मैं जानना चाहता हूं कि कब तक मरम्मती करवा दीजियेगा ?

श्रीमती उमा पाण्डेय—यथाशीघ्र मरम्मती करवा लिया जायेगा।

श्री रामनरेश सिंह—अध्यक्ष महोदय, मौनसून आ गया है लेकिन पेयजल का संकट है और सरकार कहती है कि चापाकलों की मरम्मती की जायेगी। चापाकलों की मरम्मती शीघ्र सरकार करवा दे।

अध्यक्ष—प्रश्नोत्तर काल समाप्त। जिन प्रश्नों के उत्तर तैयार हों उन्हें सभा मेज पर रख दिये जायं।

पटना,
दिनांक 30 जून, 1983।

विमलेन्दु नारायण सिंह,
सचिव,
बिहार विधान-सभा।